दैनिक भारत कि

तामीर

संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com

Editor in chief- Qazi makhdoom shafiuddin

बीड (महाराष्ट्र) | वर्ष-१ ला | अंक-२८० वा | शनिवार १० मे २०२५ | RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 | किमत : २ रूपये | पन्ने - ४

हर जिले में मॉक ड्रिल करें, वॉर रूम बनाएं-मुख्यमंत्री फडणवीस

भारत-पाक तनाव की पृष्ठभूमि में सुरक्षा और तैयारियों की हुई समीक्षा

रिपोर्ट: जमीर काज़ी, मुंबई

मुंबई (प्रतिनिधि): भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव को देखते हुए महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को राज्य के सभी वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर सुरक्षा व्यवस्था और प्रशासनिक तैयारियों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने सभी जिलों में मॉक ड्रिल आयोजित करने और वॉर रूम स्थापित करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही, स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों की छुट्टियां रद्द करने का आदेश भी दिया गया।

बैठक में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के साथ प्रभारी मुख्य सचिव राजेशकुमार, पुलिस महानिदेशक रश्मी शुक्ला, मुंबई पुलिस आयुक्त देवेन भारती, मुंबई महापालिका आयुक्त भूषण गगराणी, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (नागरिक सुरक्षा) प्रभात कुमार, गृह विभाग की प्रमुख सचिव राधिका रस्तोगी, खुफिया विभाग प्रमुख शिरीष जैन और मुंबई उपनगर के जिलाधिकारी भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने बैठक में निम्नलिखित महत्वपूर्ण निर्देश दिए:

ब्लैकआउट की स्थिति में अस्पतालों के साथ समन्वय स्थापित करें। आवश्यक सेवाएं जारी रखने के लिए वैकल्पिक बिजली व्यवस्था होनी चाहिए। खिड़कियों पर गहरे रंग के पर्दे या शीशे लगाएं ताकि बाहर से रोशनी न दिखे।

ब्लैकआउट का अर्थ और इससे निपटने के उपायों पर आधारित वीडियो छात्रों और नागरिकों तक पहुंचाएं। व्यापक जनजागरण अभियान चलाएं।

केंद्र सरकार की 'यूनियन वॉर बुक' का गहराई से अध्ययन कर सभी संबंधित अधिकारियों को उसकी जानकारी दें। हर जिले की पुलिस साइबर सेल को निर्देश दिए गए हैं कि सोशल मीडिया पर नजर रखें और पाकिस्तान समर्थक या राष्ट्रविरोधी कंटेंट प्रसारित करने वालों पर तुरंत कार्रवाई करें। चचठ क्षेत्र की सभी महानगरपालिकाओं के साथ बैठक कर ब्लैकआउट को लेकर जनजागरूकता बढ़ाएं और हाउसिंग सोसायटियों को इसमें शामिल करें।

देशविरोधी गतिविधियों की आशंका को देखते हुए अधिक कॉम्बिंग ऑपरेशन और कड़ी निगरानी बढ़ाई जाए।

सेना की तैयारियों से जुड़ी वीडियो क्लिपिंग बनाना और उन्हें सोशल मीडिया पर साझा करना अपराध माना जाएगा - ऐसे मामलों में तुरंत केस दर्ज करें।

समुद्री सुरक्षा के लिए ज़रूरत पड़ने पर मछली पकड़ने वाली ट्रॉलर्स को किराए पर लिया जाए।

सरकार की ओर से नागरिकों तक सटीक और समय पर जानकारी पहुंचाने की व्यवस्था की जाए।

साइबर हमलों की आशंका को देखते हुए बिजली उत्पादन और वितरण से जुड़ी अहम सुविधाओं का तुरंत साइबर ऑडिट कराया जाए।

सेना के तीनों अंगों और कोस्ट गार्ड प्रमुखों को आगामी बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए आमंत्रित किया जाए ताकि सरकार और सुरक्षा एजेंसियों के बीच समन्वय बेहतर हो सके। मुख्यमंत्री फडणवीस ने यह स्पष्ट किया कि वर्तमान परिदृश्य में अत्यंत सजग और संगठित रहना आवश्यक है, ताकि राज्य में शांति और सुरक्षा बनी रहे।

यह नया भारत है, जो पाकिस्तान को उसी की भाषा में जवाब देता है-उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे

तारकेश्वर गड में संत नारायण बाबा पुण्यतिथि कार्यक्रम में बोले उपमुख्यमंत्री

बीड, ९ मई(संवाददाता): पाकिस्तान की हर एक साजिश का जवाब उसी अंदाज़ में दिया जाएगा, यह नया भारत है जो घुसकर मारने की नीति पर चलता है। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने यह बयान संत नारायण बाबा की पुण्यतिथि के अवसर पर तारकेश्वर गड में आयोजित समारोह में दिया।

शिंदे ने कहा कि आतंकवादियों ने हमारी बहनों की मांग का सिंदूर मिटाने का दुस्साहस किया, इसलिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया गया है और मैं इसका स्वागत करता हूँ। उन्होंने यह भी बताया कि इस दौरान महाराष्ट्र के दो जवान शहीद हो गए, जिन्हें उन्होंने श्रद्धांजलि अर्पित की।

उपमुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि केंद्र सरकार के निर्देश के अनुसार महाराष्ट्र में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर समीक्षा बैठक की गई है और राज्य पूरी तरह सतर्क है।

तारकेश्वर गड पर आयोजित कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री शिंदे के साथ विधायक सुरेश धस, जिल्हा प्रमुख अनिल जगताप और सचिन मुळूक मंच पर उपस्थित थे। इस दौरान शिंदे ने गड के महंत आदिनाथ महाराज को आश्वासन दिया कि गड के विकास के लिए सरकार हरसंभव मदद करेगी।

उनका स्वागत गड के हेलिपैड पर बीड जिल्हाधिकारी विवेक जॉन्सन और पुलिस अधीक्षक नवनीत कांवत ने प्रशासन की ओर से किया।

बीड नगर परिषद की लापरवाही के खिलाफ हंडा मोर्चा, नागरिकों ने जताया आक्रोश

शेख निजाम ने कहा: बीड नगर परिषद नागरिकों की सहनशीलता की परीक्षा न ले

मुख्याधिकारी नीता अंधारे ने आश्वासन दिया: आज से नियमित जलापूर्ति शुरू होगी

बीड (प्रतिनिधि): पिछले छह महीनों से बीड शहर में पानी की अभूतपूर्व समस्या और नगर परिषद के कुप्रशासन को लेकर नागरिकों में भारी असंतोष व्याप्त था। इसी के विरोध में ९ मई २०२५ को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के शेख निजाम, लोकपत्रकार भागवत तावरे, और युवा नेता बळी गवते के नेतृत्व में भव्य हंडा मोर्चा का आयोजन किया गया।

इस मोर्चे में बीड शहर के विभिन्न राजनीतिक दलों के नगरसेवकों सहित हजारों नागरिक और महिलाएं बड़ी संख्या में शामिल हुईं। नगरसेवक शेख अमर, मुन्ना इनामदार, सय्यद इलियास, कय्यूम इनामदार, आयुब पठान, सय्यद फहीम, शेख हमीद, शहबाज कादरी, शेख पाशा, जयंत वाघ आदि मोर्चे में प्रमुख रूप से शामिल थे।

भारतीय जनता पार्टी के जिला परिषद अध्यक्ष मीरा गादले, शहराध्यक्ष अशोक लोढ़ा, अड. संध्या राजपूत, नगरसेविका रूपाली देशपांडे, पठान रेहाना, प्रीता कुकडेज़ा और सोनल पाटिल सहित अन्य नेताओं ने भी मोर्चे में भाग लेकर जल संकट, स्वच्छता और प्रशासन की अनियमितताओं पर चिंता जताई।

लोकपत्रकार भागवत तावरे ने अपने संबोधन में नगर परिषद की निरंकुश कार्यशैली और शहर की दुर्दशा पर विस्तार से प्रकाश डाला। आयोजक शेख निजाम ने नगर परिषद से मांग की कि वह अपना दायित्व निभाते हुए नागरिकों को मूलभूत सुविधाएं दे, विशेषकर नियमित जलापूर्ति, विशेष स्वच्छता अभियान, नाले सफाई, कचरा प्रबंधन और सभी बंद स्ट्रीट लाइट्स को शुरू किया जाए।

शिष्टमंडल ने अपनी मांगों का ज्ञापन नगर परिषद की मुख्याधिकारी नीता अंधारे को सौंपा। उन्होंने पालकमंत्री अजित पवार के निर्देशानुसार मांगों को मान्य करते हुए आश्वासन दिया कि आज से शहर में नियमित जलापूर्ति शुरू की जाएगी और स्वच्छता सहित अन्य कार्यों को शीघ्र ही पूर्ण किया जाएगा।

इस आंदोलन में महिलाओं की भागीदारी विशेष रूप से उल्लेखनीय रही, जिन्होंने नगर परिषद के प्रति अपना रोष और हक की मांग करते हुए उत्साहपूर्वक भाग लिया।

प्रभात कुमार और प्रशांत बुरडे बने डीजी, महाराष्ट्र पुलिस विभाग में तबादलों की लहर

चार अपर पुलिस महानिदेशकों के भी तबादले, क्रिमी पोस्टिंग पर भी नजरें

रिपोर्ट: जमीर काज़ी, मुंबई

मुंबई, १० मई: महाराष्ट्र पुलिस विभाग में लंबे समय से लंबित प्रमोशन और तबादलों की प्रक्रिया ने अब गति पकड़ ली है। वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी प्रभात कुमार और प्रशांत बुरडे को शुक्रवार को पुलिस महानिदेशक (डीजी) पद पर पदोन्नति दी गई है। साथ ही चार अपर पुलिस महानिदेशक (एडीजी) स्तर के अधिकारियों के तबादले भी किए गए हैं।

प्रभात कुमार को वर्तमान में वे जिस नागरिक अधिकार संरक्षण विभाग के निदेशक पद पर कार्यरत हैं, वहीं पदोन्नत कर डीजी बनाया गया है। वहीं, प्रशांत बुरडे को रेलवे विभाग का प्रमुख पद देकर डीजी रैंक पर पदोन्नत किया गया है। हालांकि, गृह विभाग द्वारा जारी आदेशों के अनुसार यह दोनों पद साइड ब्रांच' माने जाते हैं।

इसके अलावा जिन एडीजी स्तर के अधिकारियों का तबादला किया गया है, उनमें पुलिस मुख्यालय के योजना और समन्वय विभाग के सुनील रामानंद को राज्य अपराध जांच विभाग (उखऊ) में स्थानांतरित किया गया है। वहीं, पुलिस प्रशिक्षण व विशेष बल के प्रमुख राजकुमार व्हाटकर को राज्य रिज़र्व पुलिस बल (डठझ) में भेजा गया है। उनकी जगह प्रशासन विभाग के के.एम. प्रसन्ना को नियुक्त किया गया है। साथ ही, रेलवे के अपर डीजी प्रवीण सालुंखे को अब हाईवे सुरक्षा विभाग में स्थानांतरित किया गया है। क्रिमी पोस्टिंग पर नजरें:

राज्य में कई महत्वपूर्ण पदों जैसे पुलिस आयुक्त, सह-आयुक्त, आईजी, डीआईजी और जिला पुलिस अधीक्षक के स्तर पर बड़े पैमाने पर तबादलों की संभावना जताई जा रही है। इन पदों पर नियुक्ति कब होगी, इस पर सभी की निगाहें टिकी हैं। बताया जा रहा है कि कई आईपीएस अधिकारी अपनी-अपनी रणनीति से इन पदों के लिए लॉबिंग में जुटे हुए हैं।

लोकतंत्र और संविधान की रक्षा करने वाली पार्टियों के साथ मिलकर कांग्रेस बीजेपी के खिलाफ संघर्ष करती रहेगी-हर्षवर्धन सपकाळ

मुंबई (प्रतिनिधि): महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाळ ने कहा है कि अगर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के दोनों गुट एक बार फिर एकजुट हो रहे हैं तो इस पर किसी प्रकार की आपत्ति की कोई गुंजाइश नहीं है। हालांकि जब इस विषय में कोई ठोस जानकारी सामने आएगी, तभी कांग्रेस अपनी औपचारिक भूमिका स्पष्ट करेगी।

उन्होंने कहा कि अगर बंटी हुई पार्टियाँ, विचार या भाई फिर से एक साथ आ रहे हों, तो इसे किसी को नकारात्मक नहीं लेना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि कांग्रेस पार्टी 'भारत जोड़ो' के सिद्धांत के तहत काम कर रही है और सभी दलों को एकजुट होने के समय विभाजनकारी सोच को त्याग देना चाहिए। जो पार्टियाँ लोकतंत्र और संविधान की रक्षा व विस्तार के लिए गंभीर प्रयास करेंगी, कांग्रेस उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी रहेगी।

एनसीपी के दोनों गुटों के संभावित विलय और उद्धव ठाकरे-राज ठाकरे के बीच संभावित गठबंधन पर प्रतिक्रिया देते हुए हर्षवर्धन सपकाळ ने कहा कि कांग्रेस लगातार बीजेपी के खिलाफ संघर्ष कर रही है और शरद पवार 'इंडिया गठबंधन' के एक प्रमुख नेता हैं। उन्होंने कहा कि अगर भविष्य में कोई राजनीतिक परिवर्तन होते हैं तो परिस्थिति के अनुसार रुख अपनाया जाएगा।

सपकाळ ने यह भी याद दिलाया कि महाराष्ट्र में कांग्रेस पार्टी ने शिवसेना और एनसीपी के साथ मिलकर 'महा विकास आघाड़ी' के बैनर तले लोकसभा और विधानसभा चुनाव लड़े हैं। जहां तक स्थानीय स्वायत्त संस्थाओं के चुनावों का सवाल है, उनके लिए निर्णय स्थानीय स्तर पर लिए जाएंगे।

इसके अलावा हाल ही में पाकिस्तान को सबक सिखाने के लिए भारत द्वारा शुरू किए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि ऐसे नाजुक मौके पर सभी राजनीतिक और सामाजिक वर्गों को भारतीय सेना के साथ खड़ा होना चाहिए। कांग्रेस पार्टी ने भी स्पष्ट रूप से केंद्र सरकार के इस कदम का समर्थन किया है।

उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि पूरी राष्ट्र को एकजुट होकर आतंकवाद के खात्मे के लिए एक स्वर में काम करना होगा। उन्होंने कहा कि यह संतोषजनक बात है कि इस बार २६/११ मुंबई हमले की तरह समाज में विभाजन नहीं दिख रहा है।

सपकाळ ने अपील की कि पाकिस्तान पर की गई कार्रवाई को राजनीतिक दृष्टिकोण से नहीं देखा जाना चाहिए। कुछ लोग गुमराह करने वाले दावे करके वातावरण बिगाड़ने की कोशिश कर रहे हैं, जो कि अनुचित है। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि ऐसे संवेदनशील समय में गैर-जिम्मेदाराना बयानबाज़ी और भड़काऊ गतिविधियों से बचा जाना चाहिए।

बॉर्डर पर जाएंगे लेफ्टिनेंट कर्नल एमएस धोनी?

टेरिटोरियल आर्मी को लेकर रक्षा मंत्रालय का नोटिफिकेशन जारी

भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बीच रक्षा मंत्रालय ने नोटिफिकेशन जारी कर टेरिटोरियल आर्मी को तैयार रहने के लिए कहा गया है। ऐसे में अगर पाकिस्तान के खिलाफ जंग हुई तो एमएस धोनी को भी मदद के लिए तैयार रहना होगा। क्योंकि वह टेरिटोरियल आर्मी में लेफ्टिनेंट कर्नल हैं।

उर्दू दैनिक तामीर के २५ वे साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

बीड जिलाधिकारी का जनसुनवाई दरबार साबित हुआ निरर्थक, पवनचक्की कंपनियों की मनमानी से त्रस्त पाचेगांव के किसानों को नहीं मिला न्याय

किसानों की नाराज़गी, कहा–यह तो व्यर्थ का जनता दरबार है

बीड, ९ मई (प्रतिनिधि):
पाटोदा तालुका के पाचेगांव गांव में पवनचक्की कंपनियों की मनमानी से परेशान किसानों को न्याय की उम्मीद लेकर बीड जिलाधिकारी कार्यालय में आयोजित जनता दरबार में पहुँचना पड़ा। लेकिन जिलाधिकारी द्वारा कोई ठोस मदद न मिलने के कारण किसानों को निराश होकर लौटना पड़ा, जिससे उनकी उम्मीदों को गहरा धक्का लगा।

गुरुवार, ८ मई को पवनचक्की कंपनियों द्वारा मुआवज़ा दिए बिना जबरन खेतों में बिजली की लाइन बिछाने का काम शुरू किया गया था। इस दौरान पुलिस बंदोबस्त के साथ यह कार्यवाही की गई, जिसका किसानों ने विरोध किया। इसी संदर्भ में १० किसानों ने गुरुवार को जिलाधिकारी से मुलाकात कर लिखित शिकायत दर्ज की और शुक्रवार को जनता दरबार में बुलाया गया।

लेकिन जब किसान शुक्रवार को फिर से किराए की गाड़ी लेकर जनता दरबार में पहुँचे, तो जिलाधिकारी ने सीधे तौर पर

हस्तक्षेप करने से इंकार कर दिया। उन्होंने किसानों से कहा कि पवनचक्की कंपनियों ने सशुल्क पुलिस सुरक्षा मांगी है, इसलिए वे काम नहीं रोक सकते और किसानों को पाटोदा के उपविभागीय अधिकारी व तहसीलदार के पास जाने की सलाह दी। किसानों ने यह भी आरोप लगाया कि जिलाधिकारी ने न तो इन अधिकारियों से फोन पर बात की, और न ही कोई स्पष्ट निर्देश दिए।

इस घटना से आहत किसानों ने सवाल उठाया कि अगर जिलाधिकारी के पास कोई अधिकार नहीं था तो फिर हमें अगले दिन बुलाया ही क्यों गया? इस पूरे मामले पर सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. गणेश ढवळे ने प्रतिक्रिया देते हुए बताया कि किसान ठगे महसूस कर रहे हैं और जिलाधिकारी का जनता दरबार पूरी तरह बेमतलब साबित हुआ है।

डॉ. ढवळे और किसानों ने यह भी बताया कि पवनचक्की कंपनियाँ मुआवज़ा देने में भेदभाव कर रही हैं, फर्जी चेक थमा रही हैं और जब किसान मुआवज़ा मांगते हैं तो पुलिस का दबाव बनाया जाता है। यह स्थिति न केवल अन्यायपूर्ण है बल्कि किसानों की आजीविका पर सीधा प्रहार है।

भारत-पाकिस्तान युद्ध के अफवाहों पर बीड़ पुलिस की सख्त चेतावनी

बीड़ (प्रतिनिधि): भारत-पाकिस्तान युद्ध को लेकर सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों से फैल रही अफवाहों पर बीड़ पुलिस ने सख्त रुख अपनाते हुए नागरिकों से सावधानी बरतने और अफवाहों से दूर रहने की अपील की है।

बीड़ पुलिस अधीक्षक कार्यालय की ओर से जारी प्रेस नोट में कहा गया है कि २२ अप्रैल २०२५ को एक झूठी अफवाह के चलते जिले में अशांति का माहौल बना था। सोशल मीडिया पर भारत-पाक युद्ध की फर्जी जानकारी फैलाई जा रही थी, जिससे जनता में भय और भ्रम की स्थिति उत्पन्न हुई। बीड़ पुलिस ने स्पष्ट किया है कि ऐसी किसी भी अफवाह में कोई सच्चाई नहीं है और केंद्र सरकार या रक्षा विभाग ने इस संबंध में कोई आपात स्थिति घोषित नहीं की है।

पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे निम्नलिखित निर्देशों का पालन करें:

युद्ध या आपात स्थिति जैसी झूठी खबरों पर विश्वास न करें। सोशल मीडिया पर प्राप्त संदेशों की पहले सत्यता जांचें, फिर ही साझा करें। अफवाह फैलाने वालों की जानकारी तुरंत नजदीकी पुलिस स्टेशन को दें। किसी भी धर्म, जाती या समुदाय के खिलाफ भड़काऊ संदेश न फैलाएं। अफवाह फैलाने वाले फोटो, वीडियो, ऑडियो या टेक्स्ट फॉरवर्ड करने से बचें।

सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट डालना कानूनन अपराध है - ऐसा करने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।स्कूल, कॉलेज, कार्यालय, वाहन चालकों आदि को भ्रमित करने वाली जानकारी न फैलाएं।

नागरिकों को किसी भी संशय की स्थिति में पुलिस या प्रशासन से संपर्क करना चाहिए।

सभी नागरिकों से शांति बनाए रखने की अपील की जाती है। शहरवासियों से अपील की गई है कि वे पुलिस की मदद करें और सोशल मीडिया पर सतर्क रहें। अफवाह फैलाने वालों के विरुद्ध कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

संपर्क सूत्र:
कंट्रोल रूम, बीड़ - ०२४४२-२२२३३३

ट्रैवल्स और कार की भीषण टक्कर में दो लोगों की मौत

जामखेड-अहमदपुर महामार्ग पर बामदाळवाळा पुल के पास हुआ हादसा

पाटोदा, ९ मई (प्रतिनिधि):

यहां नगर पंचायत सीमा के अंतर्गत आने वाले बामदाळवाळा गांव के पास स्थित एक खतरनाक पुल पर शुक्रवार तड़के ट्रैवल्स बस और कार के बीच भीषण टक्कर हो गई, जिसमें कार सवार दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

यह हादसा जामखेड-अहमदपुर राष्ट्रीय महामार्ग पर हुआ, जहां हाल के दिनों में सड़क दुर्घटनाओं की संख्या में तेज़ी से वृद्धि हो रही है।

पाटोदा शहर से होकर गुजरने वाला यह मार्ग यात्रा का समय भले ही कम करता है, लेकिन लगातार हो रही दुर्घटनाएं अब चिंता का विषय बन चुकी हैं। इस महामार्ग पर न तो पर्याप्त दिशासूचक बोर्ड हैं, न ही स्ट्रीट लाइट और स्पीड ब्रेकर लगे हैं, जिससे वाहन चालकों को मार्ग का अंदाजा नहीं लग पाता और दुर्घटनाएं होती हैं।

शुक्रवार तड़के बामदाळवाळा पुल पर नांदेड की शर्मा ट्रैवल्स (चक २६ उक ०४३०) और एक कार के बीच टक्कर हुई, जिससे कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार दो व्यक्तियों की मौके पर ही मौत हो गई।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि इस मार्ग पर हादसों की बढ़ती संख्या को देखते हुए महामार्ग प्राधिकरण को तुरंत हस्तक्षेप करना चाहिए और सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने चाहिए।

संविधान ही सर्वोच्च है; न्यायिक पुनरावलोकन संवैधानिक कार्य है

सुप्रीम कोर्टने खारिज किया संसद की सर्वोच्चता का दावा

नई दिल्ली:

ऐसे समय में जब संसद की सर्वोच्चता के खोखले दावे किए जा रहे हैं, सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण याद दिलाई है कि संविधान ही सर्वोच्च है।

अदालत ने यह भी दोहराया कि न्यायिक पुनरावलोकन एक ऐसा कार्य है जो संविधान द्वारा ही न्यायपालिका को सौंपा गया है। इसलिए जब अदालतें किसी कानून की संवैधानिक वैधता की जांच करती हैं, तो वे संविधान की सीमा के भीतर रहकर कार्य कर रही होती हैं।

मुख्य न्यायाधीश संजय खन्ना और जस्टिस संजय कुमार की एक डिवीजन बेंच ने यह टिप्पणियाँ एक आदेश में कीं, जो उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ द्वारा न्यायपालिका पर किए गए तीखे हमलों के जवाब में था।

धनखड़ ने सुप्रीम कोर्ट की उस टिप्पणी की आलोचना की थी जिसमें राष्ट्रपति और राज्यपालों के लिए विधेयकों को लागू करने की समय-सीमा तय करने की बात कही गई थी।

धनखड़ ने कहा था कि न्यायपालिका सुपर पार्लियामेंट बनने की कोशिश कर रही है।

वक़्फ़ संशोधन अधिनियम को चुनौती देने वाली याचिकाओं में सुप्रीम कोर्ट की दखल के बाद, उन्होंने कहा था कि संसद सर्वोच्च है और संविधान में संसद से ऊपर किसी संस्था की कोई कल्पना नहीं की गई है।

इन दावों को खारिज करते हुए कोर्ट ने अपने आदेश में कहा:

लोकतंत्र में राज्य की हर शाखा - चाहे वह विधायिका हो, कार्यपालिका हो या न्यायपालिका - विशेषकर एक संवैधानिक लोकतंत्र में, संविधान के ढांचे के भीतर ही काम करती है। संविधान ही हम सभी से ऊपर है, संविधान ही सीमाएँ तय करता है और यही शक्ति-संतुलन और निगरानी का आधार है।

इसलिए जब संवैधानिक न्यायालय कोई कानून या न्याय की व्याख्या एवं समीक्षा करता है, तो वह संविधानिक ढांचे के अंतर्गत ही कार्य कर रहा होता है।

यह अधिकार संविधान निर्माताओं द्वारा संविधान के अनुच्छेद ३२ और २२६ के माध्यम से स्पष्ट रूप से दिया गया है, जो कि चेक एंड बैलेंस की व्यवस्था पर आधारित है।

अदालत ने यह भी कहा कि जनता सरकार की तीनों शाखाओं और उनके भिन्न-भिन्न कार्यों के बीच संबंधों से परिचित है।

वे न्यायपालिका के कार्य और उसकी भूमिका से अवगत हैं - जो कि अन्य दो शाखाओं के कार्यों की न्यायिक समीक्षा करना और यह देखना है कि वे संविधान के अंतर्गत वैध रूप से कार्य कर रही हैं या नहीं।

लाइव लॉ के अनुसार, न्यायिक निर्णय कानून के सिद्धांतों के अनुसार लिए जाते हैं - न कि किसी राजनीतिक, धार्मिक या सामुदायिक प्रभाव के आधार पर।

वर्तमान में अदालत भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद निशिकांत दुबे द्वारा मुख्य न्यायाधीश और न्यायपालिका पर किए गए टिप्पणियों के खिलाफ स्वतः संज्ञान से अवमानना की कार्रवाई के लिए दाखिल एक याचिका की सुनवाई कर रही है।

अगर आप चाहें तो मैं इस खबर का एक संक्षिप्त संस्करण भी बना सकता हूँ जो अखबार में छपने योग्य हो।

प्रसिद्ध व्यापारी सुभाष बेदमुथ्था का संथारा व्रत में निधन

बीड, ९ मई (बातमीदार):

बीड के प्रसिद्ध किराना व्यापारी सुभाषचंद चंदूलालजी बेदमुथ्था का आज तड़के २:३० बजे संथारा व्रत में निधन हो गया। वे पिछले कुछ महीनों से फेफड़ों की बीमारी से पीड़ित थे। निधन के समय उनकी आयु ६५ वर्ष थी।

सुभाष बेदमुथ्था धार्मिक प्रवृत्ति और मिलनसार स्वभाव के लिए समाज में अत्यंत लोकप्रिय थे। वे धार्मिक और सामाजिक कार्यों में हमेशा सक्रिय रहते थे। बीमारी के चलते उनका पहले पुणे के एक निजी अस्पताल और बाद में छत्रपति संभाजी नगर में इलाज चल रहा था। जब डॉक्टरों ने जवाब दे दिया, तब उन्होंने जैन धर्म की परंपरा अनुसार संथारा व्रत (स्वेच्छा से उपवास द्वारा जीवन त्याग) लिया और उसी व्रत में उनका शांतिपूर्वक निधन हुआ। आज शाम लगभग ४ बजे उनका अंतिम संस्कार मोंढा क्षेत्र स्थित अमरधाम श्मशानभूमि में किया गया। अंतिम संस्कार के समय समाज के विभिन्न क्षेत्रों के नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। वे अपने पीछे दो भाई, दो बेटे, दो बेटियां, दामाद और पोतों सहित बड़ा परिवार छोड़ गए हैं।

बेदमुथ्था परिवार के इस दुःख की घड़ी में समाजजन और व्यापारी वर्ग ने अपनी संवेदनाएं प्रकट की हैं।

शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि स्वरूप रक्तदान शिविर का आयोजन

देशभक्ति रखने वाले नागरिकों से शिवसेना (उद्धव गुट) का सहभागिता का आह्वान

बीड, ९ मई (प्रतिनिधि):

भारतीय सैनिकों के शौर्य और बलिदान को समर्पित रक्तदान शिविर का आयोजन शिवसेना (उद्धव बाळासाहेब ठाकरे गुट) की ओर से किया गया है। यह जानकारी पार्टी के जिल्हा प्रमुख उल्हास गिराम ने दी है। उन्होंने देशभक्ति रखने वाले सभी नागरिकों से इस शिविर में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की अपील की है।

गिराम ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के चलते पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़ी बदनामी हुई है। पाकिस्तान ने बुधवार से भारत के खिलाफ साजिशें तेज़ कर दी हैं, लेकिन भारतीय सेना ने उसके हर नापाक इरादे को नाकाम किया है। इन झड़पों में कुछ निर्दोष भारतीय नागरिक और सैनिक शहीद हुए हैं।

उल्हास गिराम ने कहा कि शहीद जवानों के प्रति सहानुभूति और भारतीय सेना का हौसला बढ़ाने के लिए यह रक्तदान शिविर आयोजित किया गया है। इस आयोजन में देश के प्रति स्वाभिमान रखने वाले सभी नागरिकों से भाग लेने की अपील की गई है।

यह रक्तदान शिविर शनिवार, १० मई को सुबह ११ बजे शिवसेना के जिल्हा संपर्क कार्यालय, बीड़ में आयोजित किया जाएगा।

पाकिस्तान के ४०० ड्रोन तबाह, ३६ जगह से घुसपैठ नाकाम

दिल्ली: संवादाता

भारत ने शुक्रवार शाम मीडिया को बताया कि पाकिस्तान की ओर से ३६ स्थानों से घुसपैठ की कोशिश में करीब ४०० ड्रोन तैनात किए गए। कर्नल सोफिया कुरैशी ने बताया कि ७ और ८ मई की रात को पाकिस्तानी सेना ने पश्चिमी सीमा पर भारतीय हवाई क्षेत्र का बार-बार उल्लंघन किया, जिसका उद्देश्य हमारे सैन्य बुनियादी ढांचे को निशाना बनाना था। इसके अलावा, इसने नियंत्रण रेखा पर भारी-कैलिबर के हथियारों से गोलीबारी की। कर्नल सोफिया कुरैशी ने कहा कि ३६ स्थानों पर घुसपैठ की कोशिश में लगभग ३०० से ४०० ड्रोन तैनात किए गए थे। लेकिन भारतीय सशस्त्र बलों ने इनमें से

कई ड्रोन को मार गिराया। इस तरह के बड़े पैमाने पर हवाई घुसपैठ का संभावित उद्देश्य वायु रक्षा प्रणालियों का परीक्षण करना और खुफिया जानकारी एकत्र करना था। ड्रोन के मलबे की फोरेंसिक जांच की जा रही है। शुरुआती रिपोर्टों से पता चलता है कि वे तुर्की के अस्सिगार्ड सोंगर ड्रोन हैं।

रक्षा मंत्रालय का कहना है कि ड्रोन हमलों के जवाब में भारत की ओर से की गई कार्रवाई में पाकिस्तानी सेना को भारी नुकसान हुआ है।

विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने कहा, पाकिस्तान ने ७ मई को रात ८.३० बजे बिना उकसावे के ड्रोन और मिसाइल हमला करने के बावजूद अपना नागरिक हवाई क्षेत्र बंद नहीं किया। पाकिस्तान नागरिक विमानों को ढाल के रूप में इस्तेमाल कर रहा है, यह अच्छी तरह से जानते हुए कि भारत पर उसके हमले से भारत को त्वरित हवाई रक्षा प्रतिक्रिया मिलेगी। यह भारत और पाकिस्तान के बीच अंतर्राष्ट्रीय सीमा के पास उड़ान भरने वाले अंतरराष्ट्रीय विमानों सहित नागरिक विमानों के लिए सुरक्षित नहीं है।

विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने कहा कि भारतीय सशस्त्र बलों ने कल रात पाकिस्तान द्वारा की गई उकसावेपूर्ण और आक्रामक कार्रवाई का प्रभावी ढंग से, उचित और जिम्मेदारी से जवाब दिया। पाकिस्तान ने भारतीय शहरों और नागरिक बुनियादी ढांचे के अलावा सैन्य प्रतिष्ठानों को भी निशाना बनाया। मिस्री ने कहा- भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान द्वारा किए गए इन हमलों का आधिकारिक और स्पष्ट रूप से हास्यास्पद खंडन किया, जो उनके कपट का एक और उदाहरण है, जिस पर वे पानी फेर रहे हैं

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com